GRIZZLY
COLLEGE OF EDUCATION
Recognised by ERC, NCTE, Bhubaneswar,
Affiliated to VBU Hazaribag & JAC Ranchi

प्रतिकृति

Bulletin ISSUE Sep-Dec - 2018

From the Directors' Desk

हमें प्रसन्नता है कि प्राचार्या के सकारात्मक चिन्तन और कुशल नेतृत्व से कॉलेज का उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। विश्वविद्यालयी परीक्षाओं का सफल संचालन और कॉलेज में एक नये कोर्स डी0एल0एड0 में नामांकन का इसी सत्र 2018 से प्रारम्भ होना एक नया आयाम जुड़ने के समान है। आप टीम के विश्वसनीय शक्ति और ऐसा पैमाना हैं जिसके आधार पर सभी सहकर्मी अपने कार्यों का मूल्यांकन करते हैं।

हम इस कॉलेज के सभी वर्गों से प्रतिभा की खोज व उनके सम्पोषण के लिए विशेष रूप से प्रतिबद्ध हैं। इन्हीं शब्दों के साथ हम प्राचार्या, कॉलेज टीम के सदस्यों और प्रशिक्षुओं को नव वर्ष की ढ़ेर सारी शुभकामनाएँ व्यक्त करते हैं।

मनीष कपसिमे | *अविनाश सेठ*

From Principal's Desk

प्रस्तुत "प्रतिकृति" 2018 के अंतिम संस्करण में हमने कॉलेज में किए गए अनेक शैक्षणिक और सृजनात्मक क्रियाकलापों को प्रस्तुत किया है। इस पत्रिका को तैयार करने में हमने भ्रमरवृत्ति का अनुसरण किया है। इसके माध्यम से पाठक गुणात्मक शिक्षा का लक्ष्य प्राप्त कर सकेंगे। इस संदर्भ में 13 Sep को N.S.S. के तहत निःशुल्क जॉच शिविर का आयोजन, 29 Sept को निबन्ध और वाद–विवाद प्रतियोगिता, 30 Sept को ज्ञान की जाँच और चित्रांकन प्रतियोगिता, 2 Oct को गॉधी जयन्ती के पावन अवसर अहिंसा और शांति को केन्द्र में रखते हुए पेन्टिंग, कविता पाठ और भजन गायन का आयोजन, 4 Oct को वि0भा0वि0 के द्वारा गाँधी जयन्ती के अवसर पर किए गए विभिन्न प्रतियोगिताओं में ग्रिजली बी0एड0 के छात्रों को प्रथम और तृतीय पुरस्कार से पुरस्कृत, 12 Oct को सत्र 2016–18 के बी0एड0 छात्रों की विदाई समारोह, 27 Oct को वाद–विवाद प्रतियोगिता, 31 Oct को भारतीय लोकतंत्र में महिलाओं की स्थिति पर वाद–विवाद प्रतियोगिता और उसी दिन लौह पुरूष पटेल के जन्मोत्सव को राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम साथ ही भाषण प्रतियोगिता का आयोजन, 4 Nov को ग्रिजली विद्यालय में मानवीय स्नेह कार्यक्रम, 5 Nov को दीपोत्सव के पूर्व संध्या पर प्रदूषण रहित दीपावली थीम पर आकर्षक रंगोली प्रतियोगिता, 7 Nov को बचपन विद्यालय और राइस मिल का भ्रमण, 2 Dec को अभिभावक शिक्षक संघ की संयुक्त बैठक, 1 से 3 Dec तक वि0विद्यालय स्तर पर जे0जे0 कॉलेज में "झूमर" कार्यक्रम में बी0एड0 छात्रों द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन, 15 Dec को पुस्तकालय दिवस का आयोजन, 19 Dec को ग्रिजली विद्यालय का भ्रमण, 21 Dec को कॉलेज की इकाई N.S.S. के द्वारा मसनोडीह पंचायत के अन्तर्गत कलहा गाँव में जरूरतमंद लोगों के बीच कम्बल, सोलर लैम्प, गर्म कपड़ा और खाद्य सामग्री का वितरण और 22 Dec को मानवता के उपासक प्रभु ईसा मसीह की स्मृति में "क्रिसमस डे" का भव्य समारोह आयोजित हुए।

मैं निदेशक महोदय का आभारी हूँ जिन्होंने हमारे टीम के सदस्यों के कार्यों की प्रशंसा करते हुए मुझे प्रोत्साहित किया है। इसके साथ ही मैं टीम के सदस्यों और प्रशिक्षुओं का आभार व्यक्त करती हूँ जिनके प्रयास और सहयोग से उपर्युक्त समस्त कार्यक्रम सफल हुए हैं।

इन्हीं शब्दों के साथ –

"नया सवेरा नई किरण के साथ, नया दिन एक प्यारी मुस्कान के साथ।
आपको नव वर्ष की हार्दिक बधाई, ढ़ेर सारी शुभकामनाओं के साथ।।

Dr. Sanjeeta Kumari
Chief Editor

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

The Speech Sounds

The ultimate source of speech sounds is the stream of air from the lungs. This stream is modified by the vocal organs to produce different sounds. The entire mechanism can be compared to a wind instrument for producing musical notes. As a matter of fact, it has been found possible to produce human speech sounds with the help of such a mechanical device. Vowels and Consonants are the two basic classes of human speech sounds. Therefore it is necessary to remember that they are phonetic terms; that is, they refer to different classes of sounds, not letters.

The Consonants of English

The Consonants are usually classified according to their mode of production, and are named after the articulators.

In the case of some Consonants there is complete closure of the air passage followed by sudden release which causes a sort of explosion. Therefore these Consonants are called **PLOSIVES** of **STOPS**. In the case of some others, there is only partial closure that causes friction between the articulators and the escaping air stream. They are called **FRICATIVES**. Sometimes a Plosive may be followed so closely by a Fricative that the resulting sound may be regarded as a single Phoneme.

Such Consonants are called **AFFRICATES**. When the air is allowed to pass through the nose instead of the mouth, **NASALS** are produced.

The Vowels of English

There is no obstruction to the passage of air in the production of vowels. Different vowels are produced by raising or lowering the front or the back of the tongue; therefore it is usual to describe them according to the position of the tongue within the mouth (high/close or low/open) and the part of the tongue (front or back) that is raised or lowered.

Standard English pronunciation requires the use of 12 pure vowels and 8 diphthongs.

Finally, the Roman alphabet has only 26 letters, but in the standard English speech, as many as 44 different phonemes are used. The International Phonetic Association has devised a special set of symbols known as the International Alphabet of IPA for short to facilitate printing and easy recognition

Mohit Kumar Tiwari
Asst. Prof.
Grizzly College of Education

प्रार्थना की महत्ता

ईश्वर से संवाद है प्रार्थना। जब जीवन में घनघोर अंधेरा हो तब प्रार्थना से फूटती है प्रकाश की किरणें। सभी धर्म, सम्प्रदाय और पन्थ यह स्वीकार करते हैं कि प्रार्थना परमात्मा से प्रत्यक्ष संवाद का माध्यम है। मन और मस्तिष्क को दूषित विचारों से मुक्त रखने और विचारों की सोच सकारात्मक बनाने के साथ ही कई अन्य लाभ हैं। स्वच्छ भाव से की गई प्रार्थना से मन और आत्मा के द्वार खुल जाते हैं। इसके फलस्वरूप हमारे जीवन में निहित आनन्द, आत्मिक सौन्दर्य एवं अनन्त आध्यात्मिक भावनाएँ भर जाती है। प्रार्थना से हमारे हृदय में ऊर्जा का संचार होता है जिससे हम असत् मार्ग से सत् मार्ग की ओर स्वतः अग्रसर होते हैं। प्रार्थना में असाधारण शक्ति होती है। यह पत्थर को मोम बना सकती है, आँधी को रोक सकती है और डूबते जहाज को किनारे लगा सकती है। प्रार्थना में आपकी चिन्ताएँ मिटाने की महान शक्ति छिपी होती है। अतः विद्यालय की प्रार्थना सभा में प्रतिदिन एक शिक्षक द्वारा मूल्य आधारित प्रेरक प्रसंग सुनाना चाहिए साथ ही छात्रों को भी इसी प्रकार के प्रेरक प्रसंग सुनाने हेतु अभिप्रेरित किया जाए।

श्री सुरेश सिंह
पुस्तकालयाध्यक्ष
ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

क्यूँ औरत के हिस्से में उसका इतवार नहीं आता

छुट्टी तो आती है, पर कोई आराम नहीं आता।
क्यूँ औरत के हिस्से में, उसका इतवार नहीं आता।
देखो–देखो सुबह हो गई, सरपट–सरपट भाग रही।
सब तेरा ही तो है पगली, ये सोच–सोच के नाच रही।
फिर भी कोई चुक हुई, तो सुनती काम नहीं आता।
क्यूँ औरत के हिस्से में, उसका इतवार नहीं आता।
एक अकेली कान्ता यहाँ पर, जाने क्या क्या काम करे।
उसका कुछ भुगतान करो तो, शायद तुमको पता चले।
घर की स्त्री को साहब, कोई व्यापार नहीं आता।
क्यूँ औरत के हिस्से में, उसका इतवार नहीं आता।
सोती है वो आखिर में, और सबसे पहले जग जाती है।
होती है वो पीड़ा में, फिर भी देखो वो हँसती है।
उसकी ही इच्छाओं का, क्यूँ तुमको ध्यान नहीं आता।
क्यूँ औरत के हिस्से में, उसका इतवार नहीं आता।

प्रो0 कृष्ण कुमार सिंह
सहायक प्राध्यापक
ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन

भारत माँ

भारत माँ के चरणों में कुर्बान मेरी जान है,
इसकी शान पे आँच न आए बस यही अरमान है।
इसकी महान गाथा का, करता हर कोई गुनगान है,
यही हर भारतवासी की आन बान और शान है।
इसके पूत हुए हैं ऐसे वीर और वरदानी,
जिन्होंने इसकी रक्षा में,
किया अपने जीवन का बलिदान है।

ईरा
क्रमांक – 960
सत्र – 2018–20

वर्षा ऋतु

जब वन में अपने पंख फैलाकर,
मयूर मेघ से बातें करता है,
तब होता है आगाज ऋतु का,
जो ताल–तलैये भरता है।

करने स्वागत ऋतुराज का,
कागज की कुछ कश्ती है,
बिन नाविक नौका लिए
कुछ बच्चों की मस्ती है।

सूखी नदियाँ, कूप धरातल
जब बूँद–बूँद को तरसती है
तब उमड़–घुमड़ कर आता बादल
घनघोर घटाएँ बरसती है।

हर डाल–डाल हर पात–पात पर
गौरैयों की बस्ती है,
नव कुसुम, नव पुष्पलता की
अपनी अलग ही हस्ती है।

भारत की इस पुण्य धरा में
अर्पित जिनके प्राण हैं
उन वीरों की कुर्बानी को
बारम्बार प्रणाम है।

इस वतन पर मर मिटने के
जिनके मन में आन है
सरहद के उन रखवालों को
बारम्बार प्रणाम है।

नभ को छूता वह तिरंगा
जन–जन की शान है
शहीदों के इस कफन को
बारम्बार प्रणाम है।

इस भूमि की जयगाथा गाता
मगर हमारा एक गान है
भारत के उस राष्ट्रगान को
बारम्बार प्रणाम है।

भारत माँ के प्राणों में
अर्पित है जो शीश तुम्हारा
वह दानों में महादान है।
उन वीर सपूतों को
बारम्बार प्रणाम है।

आकांक्षा मिश्रा
क्रमांक – 947
सत्र – 2018–20

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

गाँधी एक कल्पना

अरे वाह ! क्या यह मेरा भारत है ?
मेरे सपनों का भारत !
जिसे अंग्रेजों ने लूटा था,
हमारे सपनों को तोड़ा था,
हमें 200 वर्षों तक गुलाम रखा।
यहाँ वे अपनी मनमानी करते थे,
अपनी इच्छाओं के तले हमें दबाते थे,
हमारे संसाधनों का उपभोग किया,
हमारी चीजों से हमें ही बेदखल किया।

परन्तु, दक्षिण–अफ्रीका में मुझे एहसास हुआ,
अपने स्वरूप का आभास हुआ।
अपना वतन वापस आया,
खुद जगा और सबको जगाया।
कई लोगों ने प्राण दिये,
कई माँ की गोद सूनी हुई,
कई बच्चे अनाथ हुए।

पर हमने हार नहीं मानी,
मिलकर उन्हें भगाने की ठानी,
अग्रेजों ! तूने जालियाँवाला बाग जैसी क्रूरता अपनाई,
पर मैंने 'सत्य और अहिंसा' की राह अपनाई।
तुझे क्या लगा था, तुम्हारी क्रूरता जीतेगी ?
हमारी अदम्य इच्छा शक्ति डोलेगी ?
नहीं आखिर वो दिन आ ही गया,
तुम्हारा बोरिया–बिस्तर बँध गया।
वाह ! आज इस नये भारत को मेरा प्रणाम है,

नई ऊँचाईयों को छू रहा विश्व–कीर्तिमान है।
मेरा हृदय पुलकित हो रहा है,
मेरे सपनों का भारत बदल रहा है।

मुझे विश्वास है, तुम अडिग और अटल रहोगे,
देश के लिए जिओगे, देश के लिए मरोगे।
मैं फिर आऊँगा, तुम्हें शाबासी दूँगा,
क्योंकि "गाँ" कर सकता है, गाँधीवाद नहीं,
"अहिंसा परमो धर्मः" है संदेश यही।
"अहिंसा परमो धर्मः" है संदेश यही।

परन्तु, ये क्या ! आपस में द्वेष क्यों ?
धर्म–जाति कि नाम पर विभेद क्यों ?
क्यों करते हो तकरार तुम,
एक भारत माँ की संतान तुम।
क्या मेरे सूत्र भूल गये ?
देश की गौरव–गाथा भूल गये ?
एक भारती की तुम संतान हो,
सत्य–अहिंसा तेरा श्रृंगार हो,
मत फैलाओ कहीं उन्माद,
रखो सौहार्द्र, बाँटो प्यार।

पूनम कुमारी
क्रमांक – 944
सत्र – 2018–20

Scanned with CamScanner
Scanned with CamScanner

Teachers Day

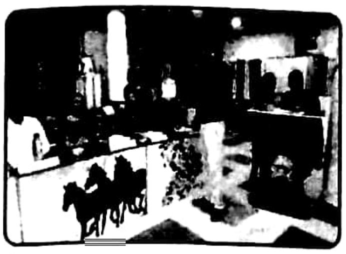
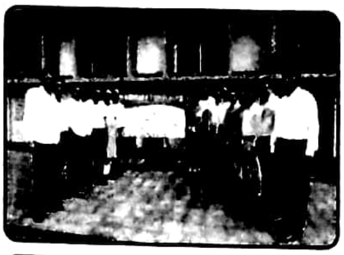

Charity Fun Fest at GVTD

Christmas Celebration 2018

Field visit of Rice Mill & Bachpan

Library Day

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Unity Day

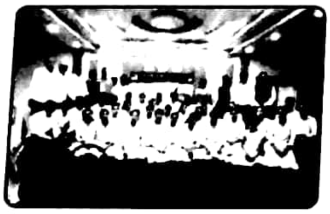

Cloth Distribution under NSS unit

Cloth Distribution by NSS

Online Survey

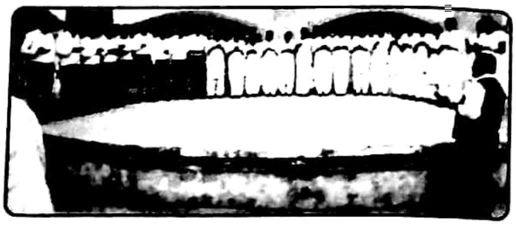

Rangoli Competition

Health Check up Camp

PTM 2018

Visit by Grizzly Vidyalaya Students

Orientation 2018

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Jhoomar 2018

Filed Visit of GVTD

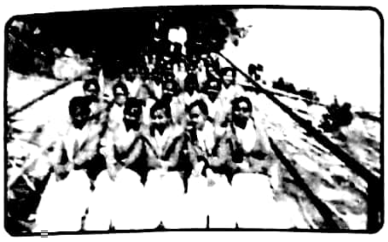

Debate Competition

International Non Violence Day

Achievements

100% Attendance for B.Ed. Session 2016-18 in Sept'2018

Dolly Rani	707
Sandhya Kumari	713
Poonam Kumari	714
Sangeeta Kumari	719
Saraswati Kumari	728
Rizwana Hashmi	732
Deepa Linda	733
Monika Kumari	735
Rahul Kumar Yadav	746
Umapati Mishra	757
Pooja Kumari	769
Deepika Sonkar	773
Vinay Kumar	779
Nidhi Kumari	782
Naresh Kumar	791

Best House of The Month **September'18** :- **Vivekanand House**
Best House of The Month **October'18** :- **Rousseau House**
Best House of The Month **November'18** :- **Aristotle House**
Best House of The Month **December'18** :- **Vivekanand House**

100% Attendance for B.Ed. Session 2018-20 in Sept'2018

Kriti Kumari	905
Saloni Badani	912
Archana Kumari	921
Pooja Kumari	927
Pooja Kumari	933
Reeta Mahto	937
Poonam Kumari	944
Aakanksha Mishra	947
Somesh Ranjan	951
Priya Dadpuri	979

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Achievements

100% Attendance for D.El.Ed. Session 2018-20 in Sept'2018	
Pushpa Kumari	13
Khushboo Kumari	11
Kajal Kumari	09
Umesh Kumar	06

100% Attendance for B.Ed. Session 2018-20 in Nov 2018	
Kriti Kumari	905
Omprakash Gupta	913
Pinki Kumari	917
Archana Kumari	921
Shreya Rashmi	938
Aakanksha Kumari	947

100% Attendance for B.Ed. Session 2018-20 in Dec 2018	
Kriti Kumari	905
Nancy Kumari	915
Pinki Kumari	917
Archana Kumari	921
Pooja Kumari	933
Poonam Kumari	944
Aakanksha Kumari	947
Prachi Kumari	992

100% Attendance for B.Ed. Session 2018-20 in Oct 2018	
Saloni Bhadani	912
Poonam Kumari	944
Priya Dadpuri	969
Pinki Kumari	917
Pooja Kumari	927
Archana Kumari	921
Aakanksha Kumari	947

100% Attendance for D.El.Ed. Session 2018-20 in Nov 2018	
Khushboo Kumari	11
Umesh Kumar	06
Sikendra Yadav	14

100% Attendance for D.El.Ed. Session 2018-20 in Dec 2018	
Aastha Patel	04
Bobby Anand	08
Khushboo Kumari	11
Pushpa Kumari	13
Sikendra Yadav	14

EDITORIAL BOARD

Book - Post

Chief Editor:
Dr. Sanjeeta Kumari

Editor
Prof. Mohit Kumar Tiwari

Student Editors
Aakanksha Mishra
& Somesh Ranjan

To

PRINTED AT: BHAGWATI PRESS, JHUMRITELAIYA, PH.# 06534-222453

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner